Name- Shashi Meshram (Mains 2021)
Date - 21/12/2022 (Paper V)



प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर आवश्यकतानुसार अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 25x03=75

प्रश्न: (1.1) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : भाषा विचारों को अभिव्यक्त एवं आदान-प्रदान करने का माध्यम है जबकि वाक् भाषा का उच्चारित रूप है।

प्रश्न: (1.2) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : अर्द्धपारिभाषिक शब्द वे शब्द होते हैं जो पारिभाषिक एवं सामान्य दोनों ही तरह प्रयोग किये जाते हैं। उदा० - मन, काया आदि।

प्रश्न: (1.3) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : जाति के आधार पर स्वर दो प्रकार के होते हैं -
(1) सजातीय स्वर - अ, आ, इ, ई आदि
(2) विजातीय स्वर - अ, उ, ए आदि

प्रश्न: (1.4) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : शास्त्रीय भाषाएँ वे भाषाएँ होती हैं जिन्हें साहित्य अकादमी द्वारा शास्त्रीय भाषाओं की श्रेणी में रखा जाये। ऐसी भाषा जिसमें 1500 वर्ष या उससे भी पुराना साहित्य लिखा हो, उदा० - संस्कृत, तेलगू, तमिल आदि

प्रश्न: (1.5) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : रासो परंपरा के अंतर्गत वीर रस का प्रयोग किया जाता है। इस साहित्य में अपने आश्रयदाता की प्रशंसा की जाती है और युद्ध का गौरवशाली वर्णन किया जाता है। उदा० - पृथ्वीराज रासो (चंदबरदाई द्वारा पृथ्वीराज चौहान की वीरता का वर्णन)

प्रश्न: I. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर आवश्यकतानुसार अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 25x03=75

प्रश्न: (1.6)

पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : जब किसी वाक्य में दो या दो से अधिक पद मिलकर एक पद का कार्य करते हैं तब उसे पदबंध कहा जाता है। उदा० – सीता बहुत ही सुंदर और चतुर है।

प्रश्न: (1.7)

पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : विभाषा को भाषा का अर्धविकसित रूप या किसी बोली का विस्तृत रूप होती है।
उदा० – ब्रज – सूरसागर (सूरदास द्वारा रचित)
अवधी – रामचरितमानस (तुलसीदास द्वारा रचित)

प्रश्न: (1.8)

पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : अनुच्छेद -348 के अनुसार उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों की अधिकारिक भाषा अंग्रेजी ही रहेगी जब तक कि केन्द्र सरकार कोई कानून बनाकर इसे परिवर्तित न कर दे।

प्रश्न: (1.9)

पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : शब्दों के उतार-चढ़ाव को हिन्दी व्याकरण में अनुतान कहा जाता है।

प्रश्न: (1.10)

पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : प्रमुख भाषा समूह – इन्डो-आर्यन भाषा समूह, लैटिन भाषा समूह, द्रविड़ियन भाषा समूह इत्यादि।

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर आवश्यकतानुसार अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 25x03=75

प्रश्न: (1.11) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : देवनागरी लिपि के दोष –
(1) अत्यधिक लंबी वर्णमाला।
(2) शब्दों के ऊपर रेखा होने के कारण तेजी से लिखने में कठिनाई।

प्रश्न: (1.12) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : उत्क्षिप्त व्यंजन वे होते हैं जिनके उच्चारण में जिव्हा तालु से टकराकर तेजी से वापस अपने स्थान पर आ जाती है। उदा॰ ड़, ढ़ इत्यादि।

प्रश्न: (1.13) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : जब अ, आ के बाद इ, ई; उ, ऊ; ऋ आने पर क्रमशः ए, ओ और अर् हो जाता है तब वहाँ गुण स्वर संधि होती है। उदा॰ – महा + उत्सव = महोत्सव तथा महा + ऋषि = महर्षि

प्रश्न: (1.14) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : बेईमान = ईमान न हो जिसका।
इसमें अव्ययीभाव समास है।

प्रश्न: (1.15) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : जहाँ उत्तर एवं पूर्वपद दोनों ही प्रधान होते हैं वहाँ द्वन्द्व समास होता है।
उदा॰ – रात-दिन = रात और दिन
इसमें दोनों शब्दों के बीच 'योजक चिन्ह' का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर आवश्यकतानुसार अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 25x03=75

पू/M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.16)

उत्तर : कृत प्रत्यय क्रिया या धातु के पीछे लगाए जाते हैं।
उदा० – लिख + आवट = लिखावट
तद्धित प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि के पीछे लगाए जाते हैं। उदा० सुंदर + ता = सुंदरता

पू/M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.17)

उत्तर : पुरुष वाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं –
(1) उत्तम पुरुष (वक्ता स्वयं) – मैं, मेरा
(2) मध्यम पुरुष (जिससे बात की जाए) – तुम, तुम्हारा
(3) अन्य पुरुष (जिसके विषय में बात की जाए) – वह, उसका

पू/M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.18)

उत्तर : विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'प्रविशेषण' कहा जाता है।
उदा० – अत्यधिक लाल टमाटर।
यहाँ 'लाल' शब्द विशेषण और 'अत्यधिक' प्रविशेषण है।

पू/M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.19)

उत्तर : दो या दो से अधिक शब्दों का सार्थक समूह जो एक निश्चित अर्थ व्यक्त करता हो वाक्य कहलाता है। उदा० – रीना विद्यालय जा रही है।

पू/M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.20)

उत्तर : कार्यालयीय संक्षेपण के प्रकार –
(1) सामान्य संक्षेपण – जिसमें संपूर्ण वृतांत का संक्षेपण हो
(2) श्रेणी बद्ध संक्षेपण – जिसमें केवल क्रमांक, दिनांक, पत्र-संख्या इत्यादि ही श्रेणी बद्ध लिख दिया जाता है

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर आवश्यकतानुसार अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 25x03=75

प्रश्न: (1.21) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : किसी बड़े शब्द या शब्द समूह को छोटे रूप में लिखने के लिए लाघव चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। इसे छोटे शून्य या बिंदु के रूप में लिखा जाता है। उदा० – प्रोफेसर = प्रो०, डॉक्टर = डॉ०

प्रश्न: (1.22) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न: (1.23) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न: (1.24) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : करण कारक एवं अपादान कारक दोनों में ही कारक शब्द 'से' का प्रयोग किया जाता है। करण कारक में 'अलग होने के लिए' एवं अपादान में 'उसकी सहायता से कार्य संपन्न होने के लिए'। उदा० – पेड़ से पत्ते गिरते हैं। (करण कारक)
उदा० – वह पेंसिल से लिखता है। (अपादान कारक)

प्रश्न: (1.25) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : (1.25) लोकोक्ति संपूर्ण वाक्य होते हैं जबकि मुहावरे वाक्यांश होते हैं। लोकोक्ति का प्रयोग स्वतंत्र रूप से किया जाता है जबकि मुहावरे का प्रयोग किसी वाक्य के साथ किया जाता है। उदा. – लोकोक्ति – 'नाच न जाने आंगन टेढ़ा।'
मुहावरा – 'लल्लो-चप्पो करना'।

SAMPLE

प्रश्न: 2. प्रश्न अलंकारों से सबंधित है : 02x05=10

प्रश्न: 2.1 शब्दालंकार :-

पू./M = 05

प्राप्तांक

प्रश्न: 2.1 (1)

उत्तर : श्लेष अलंकार के दो भेद होते हैं —
(1) सभंग श्लेष अलंकार
(2) अभंग श्लेष अलंकार

प्रश्न: 2.1.(2)

उत्तर : इसमें श्लेष अलंकार है। इसमें 'श्यामघन' के एक से अधिक अर्थ हैं।

प्रश्न: 2.1 (3)

उत्तर : इसमें 'घटा' का एक अर्थ 'बादल' या 'मौसम' है तथा दूसरा अर्थ 'कम हो जाना' है। इसमें श्लेष अलंकार है।

प्रश्न: 2.1(4)

उत्तर : इसमें छेकानुप्रास अलंकार है। इसमें करुणा कलित में 'क' वर्ण की आवृत्ति हुई है अर्थात छेकानुप्रास अलंकार है।

प्रश्न: 2.1(5)

उत्तर : इसमें एक ही शब्द (लड़का) की पुनरावृत्ति हो रही है अर्थात अनुप्रास अलंकार है।

प्रश्न: 2. प्रश्न अलंकारो से सबंधित है : 02x05=10

प्रश्न: 2.2 अर्थालंकार :-

पू./M = 05

प्राप्तांक

प्रश्न: 2.2 (1)

उत्तर : इसमें पूर्णोपमा उपमा अलंकार है। इसमें उपमा अलंकार के चारों अंग विद्यमान हैं अर्थात् पूर्णोपमा अलंकार है।

प्रश्न: 2.2.(2)

उत्तर : यहाँ उपमेय में उपमान की संभावना व्यक्त की जा रही है अर्थात् 'उत्प्रेक्षा' अलंकार है।

प्रश्न: 2.2 (3)

उत्तर : जिसकी तुलना की जाती है उसे उपमा अलंकार में उपमेय कहा जाता है।
उदा. - उसका मुख चंद्रमा के समान है।

प्रश्न: 2.2 (4) (यहाँ मुख उपमेय है।)

उत्तर : 2.2(4) उपमा अलंकार के भेद —
① पूर्णोपमा अलंकार, ② लुप्तोपमा अलंकार,
③

प्रश्न: 2.2 (5)

उत्तर : इसमें 'सुंदर' उपमा देने के लिए प्रयुक्त शब्द है अर्थात् 'उपमान' है।

प्रश्न: 3 वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

**प्रश्न: 3.1. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :** 05x04=20

प्रश्न: 3.1 (1) पू./M = 04 प्राप्तांक

उत्तर : हमें अपनी परंपरा का ~~सब~~ सबकुछ स्वीकार करना चाहिए ।

प्रश्न: 3.1 (2) पू./M = 04 प्राप्तांक

उत्तर : प्रत्येक ~~कर्म~~ का अपना परिणाम होता है और उसी के अनुसार किसी व्यक्ति को ~~सुख~~ या दुख मिलता है ।

प्रश्न: 3.1 (3) पू./M = 04 प्राप्तांक

उत्तर : आपदा, समाज के ~~कर्मों~~ में एक व्यवधान है ।

प्रश्न: 3.1 (4) पू./M = 04 प्राप्तांक

उत्तर : सीख और ज्ञान मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति है ।

प्रश्न: 3.1 (5) पू./M = 04 प्राप्तांक

उत्तर : मैंने नवीनतम तकनीकी के बारे में एक निबंध लिखा है ।

प्रश्न: 3 वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

**प्रश्न: 3.2. निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** 05x03=15

प्रश्न: 3.2 (1) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : Poetry purifies the heart of man.

प्रश्न: 3.2 (2) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : It is possible to find a way, even though the resources are limited.

प्रश्न: 3.2 (3) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : The science is blind without religion.

प्रश्न: 3.2 (4) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : The morning exercise is ~~good~~ necessary for our health.

प्रश्न: 3.2 (5) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : Digital revolution is essential for inclusive development (growth).

SAMPLE

प्रश्न: 4. इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि, समास, विराम चिन्ह इत्यादि) प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। 10x02=20

प्रश्न: (4.1)

पू./M = 02

प्राप्तांक

उत्तर : प्रति + उत्पन्नमति = प्रत्योत्पन्नमति
इसमें इ और उ के मिलने पर 'य्' हो गया है
अर्थात् 'यण् स्वर संधि' है।

प्रश्न: (4.2)

पू./M = 02

प्राप्तांक

उत्तर : अम्मय = अम् + मय
यहाँ व्यंजन संधि है।

प्रश्न: (4.3)

पू./M = 02

प्राप्तांक

उत्तर : प्रभु + एषणा = प्रभ्वेषणा
यहाँ 'उ' और 'ए' के मिलने से 'व' हो गया है
अर्थात् 'यण् स्वर संधि' है।

प्रश्न: (4.4)

पू./M = 02

प्राप्तांक

उत्तर : अनभिज्ञ = न भिज्ञ
यहाँ ~~कर्मधारय समास है~~ दूसरा पद प्रधान है अर्थात् 'तत्पुरुष' समास है।

प्रश्न: (4.5)

पू./M = 02

प्राप्तांक

उत्तर : पीताम्बरा = पीला है जो अंबर ।
इसमें कर्मधारय समास है।

प्रश्न: 4. इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि, समास, विराम चिन्ह इत्यादि) प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। 10x02=20

प्रश्न: (4.6)

उत्तर :

पू./M = 02

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.7)

उत्तर : तन - मन - धन = तन और मन एवं धन
इसमें दोनों पद प्रधान हैं अर्थात् द्वन्द्व समास है।

पू./M = 02

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.8)

उत्तर :

पू./M = 02

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.9)

उत्तर : दो शब्दों को जोड़ने के लिए योजक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। यह दो विपरीत अर्थवाले शब्दों, दो समान शब्दों आदि के बीच प्रयोग किया जाता है
उदा० — रात - दिन, बार-बार, थोड़ा-सा आदि

पू./M = 02

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.10)

उत्तर : (4.10) योजक चिन्ह = —
लाघव चिन्ह = • या •
हंस पद = ^

पू./M = 02

प्राप्तांक

SAMPLE

प्रश्नः 5. इस प्रश्न में प्रारंभिक व्याकरण, शब्दावलियाँ एवं अन्य बिन्दुओं जो पाठ्क्रम में दिए गए है, से संबंधित प्रश्न होंगे। निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 02 अंकों का है। 10x02=20

प्राप्तांक

| S.no. | प्रश्न | उत्तर |
|---|---|---|
| 1 | "जो शीघ्र किसी बात या युक्ति को सोच ले" | बुद्धिमान |
| 2 | लट्टू होना | रक्तसंबंध होना |
| 3 | पंच - परमेश्वर | पढ़े-लिखे लोगों की बात मान लेना |
| 4 | हृदय = | उर, हिय, मन |
| 5 | उत्तम =<br>उद्यम = | अधम<br>शांत |
| 6 | Indispensable | अनिवार्य या अति-आवश्यक |
| 7 | निराकरण | solution, Rectification |
| 8 | शिष्टाचार | ~~Ettiquettes~~ Etiquette, manners |
| 9 | निमंत्रण (तद्भव) =<br>पाती (तत्सम) = | न्योता<br>पत्रिका |
| 10 | अर्थ | आशय, तात्पर्य, धन, प्रयोजन, हेतु |

SAMPLE

प्रश्न : 6. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अभ्यर्थी जिस गद्यांश का उत्तर लिख रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में करें। 05x04=20

उत्तर :

उत्तरित गद्यांश का क्रमांक अनिवार्यतः अंकित करें:- (2)

(i) आज हमें चैतन्य साहित्यकारों की आवश्यकता है।

उत्तर : (ii) साहित्यकार अपनी कृतियों के माध्यम से मनुष्य को पूर्ण रूप से जाग्रत करने का कार्य करता है।

उत्तर : (iii) मनुष्य के मस्तिष्क को बुद्धि और तर्क संतुष्ट करते हैं।

उत्तर : (iv) कर्म की प्रेरणा हमें हमारे हृदय से मिलती है।

उत्तर : (v) हमारे सपनों को मूर्त रूप देने के लिए लेखक और कवि हमें प्रेरित करते हैं।

प्रश्न: 7. रेखांकित अथवा दी गई पंक्तियों का पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए: अभ्यर्थी जिस प्रश्न का उत्तर दे रहें हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यत: करें। प्रश्न 10 (दस) अंकों का है। 01x10=10

उत्तर : 7

उत्तरित पल्लवन का क्रमांक अनिवार्यत: अंकित करें :- (1)

विपत्तियाँ मनुष्य को बलवान बनाती हैं।

विपत्तियाँ मनुष्य को बलवान बनाती हैं। वे बिना किसी सूचना के अचानक ही मनुष्य के जीवन में आ जाती है। वह उसके सुचारु रूप से चल रहे जीवन को अस्त-व्यस्त कर देती है। थोड़े ही समय के लिए ही सही परंतु उसे मानसिक रूप से झकझोर देती है। और यह ही वह समय होता है जब वह तैयार हो जाता है इस विपदा का सामना करने के लिए, चाहे अब वह विवशतापूर्वक कर रहा हो या वीरतापूर्वक। विपत्ति मनुष्य को तैयार कर देती है जिम्मेदारी उठाने के लिए और अपने जीवन को वापस सही दिशा में लाने के लिए। यह उसे अपना विश्वास न खोने, और अधिक दृढ़ता से टिके रहने के योग्य बनाती है और उसकी इच्छाशक्ति और निर्णयलेने की क्षमता को और अधिक मजबूत बनाती है। उसे भयभीत न होकर डटे रहने का साहस देती है। इस तरह देखा जाए तो विपत्तियाँ मनुष्य को हर तरह से बलवान बनाती है।

प्रश्न: 8. किसी एक गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए: अभ्यर्थी जिस गद्यांश का संक्षेपण कर रहें हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यत: करें। प्रश्न 10 (दस) अंकों का है।

उत्तर : 8

उत्तरित गद्यांश का क्रमांक अनिवार्यत: अंकित करें:- (2)

भारतवर्ष के इतिहास को देखा जाए तो यही पता चलेगा की चक्रवर्ती राजा हमेशा कल्याणकारी रहे हैं। उन्होंने जनता के सुख को अपनी प्राथमिकताओं में सर्वोपरि रखा। उन्होंने जनकल्याण को अपना प्रेरणास्त्रोत बनाया न कि राज्य के विस्तार को। जो राजा ऐसा नहीं कर पाये, जो केवल धन एवं राज्य-विस्तार के पीछे भागते रहे वे कभी महान राजा नहीं बन पाये और इतिहास के पन्नों में कहीं गुम होगये।

SAMPLE